विद्यालङ्कार (B.A. Sanskrit Hons.)
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- प्रथम Semester –I

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत-साहित्य (पद्य काव्य)**	**पूर्णाङ्क -100**
Paper Code HSA-C111	**Classical Sanskrit Literature (Poetry)**	**सत्रान्त परीक्षा -70**
		आन्तरिक परीक्षा-30
		क्रेडिट- 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड- क (Section-A) - रघुवंशमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-40)

खण्ड- ख (Section-B) - कुमारसम्भवमहाकाव्यम् (पञ्चम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)

खण्ड- ग (Section-C) - किरातार्जुनीयमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-25)

खण्ड- घ (Section-D) - नीतिशतकम् (प्रथम 1-50 श्लोक)

खण्ड- ङ (Section-E) - महाकाव्य एवं गीतिकाव्य की उत्पत्ति और विकास

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को क्लासिकल अर्थात् शास्त्रीय संस्कृत पद्य की जानकारी देना है। इसका मन्तव्य साहित्य की ऐसी समझ प्रदान करना है, जिससे कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के विकास को समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस के अध्ययन से छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित हो जायेगा।
2. संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य से परिचित हो भाषा के प्रयोग में सफल होगा।
3. नैतिक मूल्यों में श्रीवृद्धि होगी, जिससे समाज में एक श्रेष्ठ नागरिक के रूप में पहचाना जायेगा।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

रघुवंशमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-40)

घटक (Unit) –1 (क) परिचय-कवि एवं कृति **(ख)** प्रथम सर्ग- विषयवस्तु

घटक (Unit) –2 (क) व्याकरणात्मक-विश्लेषण,श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

(ख) विषय का विश्लेषणात्मक सारांश **(ग)** चरित्र-चित्रण

खण्ड –ख (Section–B)

कुमारसम्भवमहाकाव्यम् (पञ्चम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)

घटक (Unit) –1(क) परिचय-कवि एवं कृति

(ख)पञ्चम सर्ग की विषयवस्तु और पृष्टभूमि

(ग) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों काअनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

घटक (Unit) –2(क)कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथाकथानकीय- योजना **(ख)** पार्वती की तपस्या

खण्ड–ग (Section–C)

किरातार्जुनीयमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-25)

घटक (Unit)-1(क) परिचय-कवि एवं कृति

(ख) प्रथम सर्ग की विषयवस्तु और पृष्टभूमि

(ग) व्याकरणात्मक-विश्लेषण,श्लोकों का अर्थ एवं अनुवाद, स्पष्टीकरण (व्याख्या)

घटक (Unit) –2(क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता

(ख) विषयपरक विश्लेषण

खण्ड–घ (Section–D)

नीतिशतकम् (प्रथम 1-50 श्लोक)

घटक (Unit)-1 नीतिशतकम् काव्य का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों काअनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

घटक (Unit)-2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा विषयपरक विश्लेषण

(ख) भर्तृहरि के नीतिशतकगत सामाजिक समीक्षा

खण्ड–ङ (Section–E)

महाकाव्य एवं गीतिकाव्य की उत्पत्ति और विकास

घटक (Unit)-1विविध-महाकाव्योंकी उत्पत्ति और विकास – अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, भट्टि तथा श्रीहर्ष के विशेष

सन्दर्भ में।

घटक (Unit)-2 संस्कृत-गीतिकाव्यों की उत्पत्ति और विकास- कालिदास, बिल्हण, जयदेव, अमरूक तथा भर्तृहरि के विशेष सन्दर्भ में।

अनुशंसित ग्रन्थ (Suggested Books/Readings)

1. C.R. Devadhar (Ed.), Raghuvansham of Kalidasa, MLBD. Delhi.
2. M.R. Kale (Ed.), Raghuvansham of Kalidasa,MLBD, Delhi.
3. Gopal RaghunathNandargikar (Ed.), Raghuvansham of Kalidasa, MLBD, Delhi.
4. कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम्(मल्लिनाथकृत सञ्जीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. नेमिचन्द्र शास्त्री, कुमारसम्भवम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6.M.R. Kale (Ed.), Kumarasambhavam, MLBD, Delhi.
7. समीर शर्मा, मल्लिनाथकृत घण्टापथटीका, भारविकृत किरातार्जुनीयम्, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. जनार्दन शास्त्री, भारवि कृत किरातार्जुनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. M.R. Kale (Ed.), Kiratarjuneeyam of Bharavi, MLBD, Delhi.
10. M.R. Kale (Ed.), Neetishatakam of Bhartṛhari, MLBD., Delhi.
11. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री(व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ, संवत् २०३४.
12. तारणीश झा. रामनारायणलाल बेनीमाधव(व्या.), संस्कृतटीका, हिन्दी व अंग्रेजीव्याख्या अनुवादसहित, इलाहाबाद, १९७६.
13. मनोरमा हिन्दी-व्याख्या सहित, (व्या.) ओमप्रकाश पाण्डये, भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, चौखम्बाअमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९८२
14. बाबूराम त्रिपाठी(सम्पा.), भर्तृहरि कृत नीतिशतकम् महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, १९८६!
15. Mirashi, V.V. :Kalidasa, Popular Publication, Mumbai.
16. Keith, A.B.: History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
17. Krishnamachariar :History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
18. Gaurinath SHSAtri : A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
19. Winternitz, Maurice: Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.